A–903

Total Pages : 5 **Roll No. ....**

CYC–101/CYL–101

Cyber Space and Data Protection (CCSDP)

(Fundamentals of Cyber Space and Emerging Jurisprudence)

1st Sem./1st Year Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

Note :– This paper is of Hundred (100) marks divided into Two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein. ***Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.***

नोट :– यह प्रश्न–पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

Section–A

(खण्ड–क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×26=52

***Note* :–** Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Twenty Six (26) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the concept of Indian Cyber Space and discuss its main components.

   भारतीय साइबर स्पेस की अवधारणा की व्याख्या कीजिए और इसके मुख्य घटकों पर चर्चा कीजिए।

2. What are the general principles and procedures in India regarding cyber laws ? Discuss with examples.

   भारत में साइबर विधियों से सम्बन्धित सामान्य सिद्धान्त और प्रक्रियाएँ क्या हैं ? उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए।

3. Analyze the challenges related to Internet Jurisdiction and its application in the Indian context.

   इंटरनेट क्षेत्राधिकार से सम्बन्धित चुनौतियों और इसके भारतीय संदर्भ में अनुप्रयोग का विश्लेषण कीजिए।

4. Analyze the important legal challenges in Cyber Contracts and critically evaluate how the IT Act, 2000 addresses these issues. Suggest improvements to enhance its effectiveness.

साइबर अनुबंधों में प्रमुख कानूनी चुनौतियों का विश्लेषण कीजिए और यह आलोचनात्मक रूप से मूल्यांकन कीजिए कि आईटी अधिनियम, 2000 इन मुद्दों को कैसे संबोधित करता है। इसकी प्रभावशीलता बढ़ने के लिए सुधार प्रस्तावित कीजिए।

5. Explain the process of constructing electronic contracts and the legal requirements to ensure their validity under Indian law.

इलेक्ट्रॉनिक अनुबंधों के निर्माण की प्रक्रिया और उनकी वैधता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय कानून के तहत कानूनी आवश्यकताओं की व्याख्या कीजिए।

Section–B

(खण्ड–ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×12=48

Note :– Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Twelve (12) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Define Cyber Jurisprudence and its importance in modern times.

साइबर न्यायशास्त्र को परिभाषित कीजिए और आधुनिक समय में इसकी महत्ता पर चर्चा कीजिए।

2. What is the Indian perspective on jurisdiction in cyberspace ? Provide examples.

साइबरस्पेस में क्षेत्राधिकार पर भारतीय दृष्टिकोण क्या है ? उदाहरण प्रदान कीजिए।

3. Briefly explain the role of security and privacy in cyber contracts.

साइबर अनुबंधों में सुरक्षा और गोपनीयता की भूमिका की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

4. What are shrink wrap contracts ? Explain their significance in the digital age.

श्रिंक रैप अनुबंध क्या हैं ? डिजिटल युग में इनका महत्व स्पष्ट कीजिए।

5. Write a short note on the international position regarding Internet Jurisdiction.

इंटरनेट क्षेत्राधिकार के सम्बन्ध में अंतर्राष्ट्रीय स्थिति पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

6. What are the key elements of the Indian Contract System ?

भारतीय अनुबंध प्रणाली के मुख्य तत्व क्या हैं ?

7. Discuss the technical issues in the construction of cyber contracts.

साइबर अनुबंधों के निर्माण में तकनीकों मुद्दो पर चर्चा कीजिए।

8. Critically examine Section 10A of the IT Act, 2000, focusing on its role in validating electronic contracts. Discuss its implications for the enforceability of digital agreements in India.

आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 10ए का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए, जो इलेक्ट्रॉनिक अनुबंधों को मान्यता प्रदान करने में इसकी भूमिका पर केंद्रित है। भारत में डिजिटल समझौतों की प्रवर्तनीयता पर इसके प्रभावों पर चर्चा कीजिए।

****